

खुशबू रचते हैं हाथ

9th CLASS - HINDI - VIDEO BASED - STUDY MATERIAL

Highlights of the study material:

- Written in simple Hindi Language.
- Video Explanation for every Question in Telugu.

Explanation Video*s ముందుగా చూడటానికి క్రింది you tube చానెల్ link ను క్లిక్ చేసి subscribe చేసుకోండి.



<https://www.youtube.com/channel/UCCP59ogwtsxho12dqnVYbVg>

M.V.V.N.BALARAMAMURTHY,
S.A. (HINDI), Z.P. HIGH SCHOOL,
BALLIPADU, ATTILI MANDAL,
WEST GODAVARI DISTRICT

1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए:-

क. खूब रचने वाले हाथ कैसी परिस्थितियों में कहाँ-कहाँ रहते हैं ?

ज) खुशबू रचनेवाले हाथ गंदी बस्तियों में और बदबूदार इलाकों में रहते हैं। इसके आवास कूड़े-करकट और बदबू से भरे गंदे नालों के पास हाता है। वे प्रदूषित वातावरण में जीवन बिताते हैं। उनका जीवन गंदगी के आस-पास ही होता है। वे हमेशा सामाजिक और आर्थिक समस्या में पड़े रहते हैं।

ख. कविता में कितने तरह के हाथों की चर्चा हुई ?

ज) कविता में निम्न प्रकार की हाथों के बारे में चर्चा हुई है:-

- * उभरी नसोंवाले हाथ
- * घिसे नाखून वालों के हाथ
- * जूहीं की डाल से खुशबूदार हाथ
- * गंदे कटें-पिटे हाथ
- * जखम से कटे हुए हाथ

ग. कवि ने यह क्यों कहा है कि खुशबू रचते हैं हाथ ?

ज) अगरबत्ती जलाने से खुशबू फैलती हैं। परंतु उस अगरबत्ती को बनाने वाले गंदी बस्तियों में रहते हैं। खुशबू रचनेवाले गंदे वातावरण में रहकर दूसरों का जीवन खुशहाल बनाने हैं। श्रमिक हमेशा श्रम करते हुए दूसरों को सुख-सुविधाओं की वस्तुओं का निर्माण करते रहते हैं। ऐसे श्रमिकों की प्रशंसा हमें जरूर करनी है। उनके हाथ खुशबू रचाते रहते हैं।

घ. जहाँ अगरबत्तियाँ बनती हैं वहाँ का माहौल कैसा होता है?

ज) अगरबत्ती बनाना एक छोटी-सी कुटीर उद्योग है। अगरबत्ती बननेवाला स्थान गंदा एवं प्रदूषित होता है। ये लोग कूड़ा-करकट और गंदे नालों के

पास रहते हैं। ऐसे खुशबू रचनेवाले दुर्गंधमय वातावरण में रहकर दूसरों को खुशबूदार अगरबत्ती बनाते रहते हैं।

<https://youtu.be/jpm7mObqzIU>

ड. इस कविता को लिखने का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

ज) इस कविता में मजदूर और श्रमिकों की बुरी स्थिति का वर्णन करते हुए उनकी दशा में सुधार लाना चाहते हैं। हमारे जीवन को खुशहाल बनाने वालों का जीवन इतनी दयनीय स्थिति में क्यों है ? उनकी स्थिति में सुधार लानी है। उनके आवासों को भी साफ रखना है। इसी मुख्य उद्देश्य से इस कविता को रचे हैं।

<https://youtu.be/fyyFxq98LNA>

व्याख्या कीजिए:

क) अगरबत्तियाँ बनाने वालों में ज्यादातर बच्चे और महिलाएँ ही हैं। छोटे बच्चों के हाथ पीपल की पत्तियों की तरह कोमल होते हैं। यवुतियों के पास **जूही की डाल के समान सुंदर होते हैं।** अगरबत्ती बनाने से उनके हाथों की कोमलता एवं खुशबू गायब हो जाती है। दूसरों को खुश रखने के लिए खुद अपने हाथों को गंदा करने लगते हैं।

ख) अगरबत्ती बनानेवाले गंदे वातावरण में रहते हैं। गंदे वातावरण में रहकर भी दुनिया में सुगंध बिखेरते हैं। गंदे स्थान में रहकर गंदे वातावरण में

रहकर दुनिया में सुगंध फैलाता है। दूसरों के जीवन में खुशी और सुगंध बाँटते हैं।

कविता का सारांश

कवि परिचय

कवि का नाम : अरुण कमल
जन्म : 15 फरवरी सन् 1954
रचनाएँ : पुतली में संसार, कविता और समय
पुरस्कार : साहित्य अकादमी

सारांश

खुशबू रचते हैं हाथ कविता में कवि सामाजिक विषमताओं को बताया गया है। अगरबत्ती बनानेवाले लोग गंदे एवं प्रदूषित गलियों में अपना जीवन बिता रहे हैं। दुनिया में खुशबू एवं सुगंध बिखरने वाले हाथ नालियों के नीचे, कूड़े-करकट के ढेरों में रहकर अगरबत्ती बनाने का काम करते हैं।

अगरबत्ती बनाने का काम करते समय उनके हाथ की नसें उभर जाती हैं। नाखून घिस जाते हैं। पीपल पत्तों जैसे बच्चों के हाथ और युवतियों के जहाँ की डाली की तरह मुलायम हाथ कटे-कटे हो जाते हैं। जख्मी से भर जाते हैं। इस तरह हमारे जीवन में खुशबू भरने वाले अपना जीवन गंदगी एवं प्रदूषित वातावरण में बिताते रहते हैं। ऐसे माहौल से खुशबू फैलाने वाली अगरबत्तियाँ बनायी जाती हैं।

विशेषताएँ: 1. सरल भाषा का प्रयोग। 2. यथार्थवादी कविता।

आज का नया चीज़ कल पुरा अपने घर की जानकारी पूछने लगा।
अंत में कवि आशा करते हैं कि कोई पुराना साथी रास्ते में मिल जाएगा तो
वह जल्दी अपने घर तक पहुँच सकेगा।

इस प्रकार कविता में निरंतर बदलते दुनिया में पुराने स्मृतियों के
सहारे जीना -----

M.BALARAM